

22/1/25

पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक सघ ने आज अदालती कार्य का स्थगन कर रखा है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 12/2/25 को पेश हो।

12/03/2025

पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक सघ ने आज अदालती कार्य का स्थगन कर रखा है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 03/04/25 को पेश हो।

31/4/25

पत्रावली पेश हुई। वकुलाप उपस्थित P.O साहब दीगर कार्य में व्यस्त हैं। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 16/4/25 को पेश है।

16/04/2025

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। अप्रार्थीगण सं. 1 ता 10 की तामील पूर्व में सम्यक रूप से होना पायी गयी हैं। बावजूद सम्यक तामील अनुपस्थित। अतः अप्रार्थीगण सं. 1 ता 10 के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जाती हैं। वास्ते बहस व तलबी अप्रार्थी सं. 11 मिसल दिनांक 21.04.2025 को पेश हो।

21/04/2025

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 28.04.2025 को पेश हो।

28/04/2025

पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। वकील प्रार्थी की प्रकरण में एकपक्षीय बहस सुनी गई। दौराने बहस वकील प्रार्थी ने निवेदन किया कि प्रार्थी ने अपनी खातेदारी भूमि का तहसीलदार के आदेशानुसार सीमाज्ञान दिनांक 08.03.2024 को करवा लिया है। अब प्रार्थी अपनी भूमि की चिन्हित सीमाओं के अनुसार पत्थरगढी कराना चाहते हैं। अतः प्रार्थना पत्र बाबत पत्थरगढी मुताबिक अनुतोष स्वीकार फरमाने का निवेदन किया।

पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकार्ड एव सीमाज्ञान दिनांकित 08.03.2024 का अवलोकन किया गया एवं वकील प्रार्थीगण की बहस पर सगौर मनन किया गया। चूंकि प्रार्थी सीमाज्ञान दिनांकित 08.03.2024 के मुताबिक अपनी खातेदारी भूमि की पत्थरगढी करवाना चाहते हैं। अप्रार्थीगण बावजूद सम्यक तामील आदिनांक तक हाजिर अदालत नहीं आये जिससे अप्रार्थीगण की प्रार्थी के प्रार्थना पत्र बाबत पत्थरगढी पर मौन स्वीकृति जाहिर होती हैं। अतः प्रार्थना पत्र बाबत पत्थरगढी स्वीकार किया जाने योग्य पाया जाने पर न्यायहित में स्वीकार किया जाकर पत्रावली में आदेश इस आशय का जारी किया जाता है कि :-

आदेश

तहसीलदार नीमकाथाना तन ग्राम कस्बा नीमकाथाना तहसील नीमकाथाना अवस्थित ख.नं. 2543, 2544, 2812, 2813, 2814, 2816 कुल किता 06 कुल रकबा 5.44 है० में प्रार्थी, सहखातेदारान तथा पड़ोसी खातेदारान को सूचित कर बाद सम्यक संतुष्टि सीमाज्ञान मुताबिक सीमाज्ञान दिनांकित 08.03.2024 पत्थरगढी की जावे तथा कृषि भूमि का एल.आर.एक्ट 1956 की धारा 128, 111 मे वर्णित प्रक्रिया का पालन करते हुए पत्थरगढी करवाकर विवाद का निस्तारण करे। दौराने पत्थरगढी किसी प्रकार का कब्जा दिलवाने अथवा बेदखली की कार्यवाही नहीं की जावे। तहसीलदार नीमकाथाना को निर्णय की पालनार्थ तहरीर जारी हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तकमील दाखिल दफतर हो। यह निर्णय आज दिनांक 28.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मुद्रा से खुले न्यायालय में सुनाया गया।


28.4.25

(राजवीर सिंह यादव)

उपखण्ड अधिकारी,

नीमकाथाना